Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, Impact Factor : 2.0778, Volume 07, No. 01, January, 2017, pp. 307-313

भारत की समृद्धि का पथः स्मार्ट सिटी का एक समाज शास्त्रीय अध्ययन

डॉ० बिन्द्रा चरण दीक्षित*

हमारा देश एक विभिन्नता समाज है। यहॉ कि भौगोलिक वनावट, जलवायु, जनसंख्या, जाति, प्रजाति, धर्म इतिहास, राजनीति, भाषा, संस्कृति एवं समाज की दृष्टि से भारत में विभिन्न भागों में विषमताएं पाई जाती हैं। इसकी मुख्य $8^0 4^1$ से $37^0 6^1$ उत्तरी अक्षॉश तथा $68^0 7^1$ से $97^0 25^1$ पूर्वी देशान्तर के बीच फैली हुई है। उसका विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3,214 किमी0 और पूर्व से पश्चिम तक 2,933 किमी0 है। इसका क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी0 है। क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में भारत का सातवा स्थान है। यहॉ की जनसंख्या में संख्यात्मक और गुणात्मक दोनों प्रकार के परिवर्तन हो रहे है। यहॉ सन् 1901 में भारत की जनसंख्या 23 करोड़ तक पहुॅच चुकी है। यहॉ स्त्री–पुरुष के अनुपात से अलग–अलग क्षेत्रों में विभिन्नता देखने को मिलती है। सम्पूर्ण जनसंख्या देश में पुरुषों की तुलना में स्त्रियों का अनुपात कम है। वर्तमान में 1000 पुरुषों पर 933 स्त्रियां हैं। देश के वर्तमान जनसंख्यात्मक आकड़ों के अनुसार 121 करोड़ आबादी है। इस प्रकार जन संख्या में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है। इसका घनत्व की दृष्टि में 325 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी0 है। भारत के पास विश्व की करीब 16 प्रतिशत जनसंख्या है जबकि संसार का 2.4 प्रतिशत क्षेत्रफल है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं दार्शिनिक 'माल्थस' ने जनसंख्या वृद्धि के अनुपात की ज्यामितिक गति तथा संसाधनों के विकास के अनुपात अंकगणतीय ढंग से सिद्ध किया है।

नगर (City)– आज विश्व में सभी देशों में नगरीकरण की गति तीव्र है जैसे पहले कभी नहीं रही है विकासशील देशों में जहॉ विश्व की तीन–चौथाई जनसंख्या रहती है, वहां जनसंख्या का स्थानान्तरण गॉव से नगरों की और बहुत हुआ है और हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विश्व की नगरीय आबादी तीव्र गति से वढ़ रही है।

सन् 1971 की जनसंख्या के अनुसार भारत में 54.74 करोड़ जनसंख्या थी जिसमें 10 करोड़ 88 लाख व्यक्ति नगरों में निवास करते थे। सन् 1971 में देश में 3,126, 1081 में 4,029 तथा 1991 में 4,689 नगर थे।

यद्यपि 1951 और 1991 के बीच कुल जनसंख्या में 2.3 गुना वृद्धि हुई, किन्तु जनसंख्या का पुनर्वितरण बड़ा आश्चर्यजनक रहा है, क्योकि 10 लाख से अधिक आवादी वाले शहरो की आवादी छह

* शोधकर्ता, समाजशास्त्र विभाग, श्री धर्मजीत सिंह पी०जी० कॉलेज, मिर्जापुर, शाहजहॉपुर, उत्तर प्रदेश।

गुना से अधिक वढ़ात्तरी हुई। दस लाख जनसंख्या वाले शहर 1951 में मात्र 5 थे जो 2001 में बढ़कर 35 हो गए। सन् 2011 की जनगणना में ऐसे शहरों की संख्या 50 ले सकती है। 50 लाख से अधिक जनसंख्या वाले चार महानगर ग्रेटर मुम्बई, जिसकी जनसंख्या 1.63 करोड से अधिक ही है, उसके बाद कोलकाता (1.32 करोड़) दिल्ली (1.27 करोड़) तथा चेन्नई (64.24 लाख) नगर में आते हैं। भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है। जहा 49.8 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में निवास करती है इसके बाद तमिलनाडू (44.1प्रतिशत) महाराष्ट्र (42.4प्रतिशत) गुजरात (37.4प्रतिशत) है। उत्तर प्रदेश में 20.1 प्रतिशत मध्य प्रदेश में 26.5 प्रतिशत, राजस्थान में 23.4 प्रतिशत तथा विहार 10.5 प्रतिशत जनसंख्या नगर में निवास करती है। उपर्युक्त सभी तथ्यों में स्पष्ट है कि भारत में नगरीयकरण 1951–2001 के दशकों मु अधिक हुआ है फिर भी दूसरे देशों की तुलना में यह गति धीमी है। इस बढ़ते नगरीकरण में भारत में अनेकों सामाजिक–आर्थिक समस्याओं पविर्तनों एवं प्रभावों को जन्म दिया है।

गिस्ट और हेलबर्ट (Gist and Halbert) के अनुसार–सभ्यता की उत्पत्ति के साथ ही नगरों की उत्पत्ति भी हुई। मानवीय साधनों के विकास के साथ–साथ नगरों का भी विकास हुआ। आखेट और पशुपालन की अवस्था को पार करते हुए जब मनुष्य ने कृषि युग में प्रवेश किया उसी समय ग्राम एवं नगरों की उत्पत्ति हुई। कृषि के साथ–साथ अन्न व्यवसाय का भी जन्म हुआ। धीरे–धीरे जनसंख्या वृद्धि होने लगी और नगरों का विकास होना प्रारम्भ हो गया।

नगरीकरण का यह विकास कई सदियों मे जाकर हुआ। नगरीयकरण के विकास के पश्चात लोगों ने स्वयं को नगरीय शैली में ढालना प्रारम्भ कर दिया और अपने कामों को नगरीय विधा के रूप में करना सीख लिया। इस प्रकार एक ऐसे सामाजिक वर्ग का निर्माण हुआ जिसकी भूमि से कोई संबन्ध नहीं था। इस वर्ग को दूसरे शब्दों में औद्योगिक श्रमिक का वर्ग कह सकते हैं। इस प्रकार से ग्रामीण जनसंख्या 72.2 प्रतिशत और शहरी जनसंख्या 27.8 प्रतिशत है। यह कुल जनसंख्या 64.8 प्रतिशत साक्षर (स्पजमतंजम) है। मानव विकास रिपोर्ट (2013 में 187 देशों में भारत का 13691 स्थान दिया गया है। इतना ही नहीं (ग्लोवल एंचवीच इण्डेस 2013) में आर्थिक–सामाजिक मुश्किलों के मामलों में भारत 73 वॉ स्थान है।

फेयर चाइल्ड के अनुसार–"नगरीयकरण का अर्थ नगरीय बनने की प्रक्रिया से है। अर्थात– व्यक्तियों का नगरीय क्षेत्रों का गमन तथा नगरीय प्रक्रियाओं, जनसंख्या तथा क्षेत्रों की वृद्धि।

नोइल पिरंट और एल०एस० हर्बर्ट के अनुसार– नगरों की विशेषताओं का वर्गीकरण–

(1) उत्पादन का केन्द्र (2) व्यापार तथा वाणिज्य केन्द्र (3) राजनीति राजधानियॉ (4) सांस्कृतिक केन्द्र (5) दर्शनीय तथा अवकाश कालीन नगर (6) विविधतापूर्ण नगर आदि। आधुनिक युग में नगरों की स्थापना उद्योग तथा तकनीकि के आधार पर हो रही है। वे स्थान पर बड़ी–बड़ी मिले व कारखाने स्थापित किये जा रहे हैं। वे स्वतः ही नगर बन जा रहे हैं।

महानगर (Metropolis)–नगर सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनैतिक विशेषताओं के आधार पर संगठित आवास की छोटी–छोटी व्यवस्थाएं थी। जो कि 10 लाख से अधिक आबादी वाले नगर को 'महानगर' कहा जाने लगा। आधुनिक महानगरों के लिए उच्च राष्ट्रीयता के तत्वों का होना आवश्यक नहीं है। इसके लिए वहुस्तरीय कार्य एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का होना आवश्यक नहीं है। महानगरों के निर्धारण के लिए उद्योग व्यवसाय तथा जनसंख्या का आधार माना जाता है। इसके विपरीत इंग्लैण्ड में कस्बों के आधार पर महानगर को परिभाषित किया गया है।

सारणी 1

भारत में 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर 2011 की जनगणना के अनुसार

नगर	राज्य	जनसंख्या	नगर	राज्य	जनसंख्या
मुंबई	महाराष्ट्र	18,414,288	कोच्चि	केरल	2,117,990
कोलकाता	प० बंगाल	14,112,536	विशाखापट्टनम	आंध्र प्रदेश	1,730,320
दिल्ली	दिल्ली	16,314,838	आगरा	उत्तर प्रदेश	1,746,467
चेन्नई	तमिलनाडु	8,696,010	वाराणसी	उत्तरप्रदेश	1,435,113
बंग्लूरु	कर्नाटक	8,499,399	मदुरई	तमिलनाडु	1,416,420
हैदराबाद	आंध्र प्रदेश	7,749,334	मेरठ	उत्तर प्रदेश	1,424,908
अहमदाबाद	गुजरात	6,353,254	नासिक	महाराष्ट्र	1,562,769
पुणे	महाराष्ट्र	5,049,968	जबलपुर	मध्य प्रदेश	1,267,564
सूरत	गुजरात	4,585,367	जमशेदपुर	झारखण्ड	1,337,131
कानपुर	उत्तर प्रदेश	2,920,067	आसनसोल	प0 बंगाल	1,243,008
नागपुर	महाराष्ट्र	2,497,777	धनबाद	झारखण्ड	1,195,298
पटना	विहार	2,046,652	फरीदाबाद	हरियाणा	1,404,653
इंदौर	मध्य प्रदेश	2,167,447	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	1,216,719
वड़ोदरा	गुजरात	1,817,191	अमृतसर	पंजाब	1,183,705
भोपाल	मध्य प्रदेश	1,883,381	लुधियाना	पंजाब	1,613,878
कोयम्बटूर	तमिलनाडु	2,151,466	राजकोट	गुजरात	1,390,933

जिस महानगर की जनसंख्या 50 लाख से अधिक होती है। उसे विराट नगर (डमहंबपजल) कहा जाता है इस समय मुम्बई (18,414,288), कोलकाता (14,112,536), दिल्ली(16,314,838), चेन्नई (8,696,01), वंग्लौर (8,499,399), हैदराबाद (7,749,334) तथा विराट नगर की श्रेणी में आते हैं।

महानगर की विशेषताएं–(Characteristics of Metropolis)

1– जनसंख्या के धनत्व में वृद्धि, 2–उच्च स्तर राष्ट्रीय तत्वों का विद्यमान होना, 3– उच्च स्तरीय स्तरीय शिक्षण संस्थाए, 4– अन्तर्राष्ट्रीय कार्यों का महत्व पूर्ण केन्द्र स्थल, 5–आवागमन के उच्च स्तरीय स्तरीय साधन, 6– विशाल औद्योगिक एवं व्यावसायिक केन्द्र, 7–कला, साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा एवं तकनीकि ज्ञान की अनेक विशाल संस्थाएं, विशिष्ट चिकित्सीय व्यवस्था।

वैश्विक शहर (Globalcity)– वैश्विक शहर संसार के समस्त राष्ट्रों को एक ऐसे शहर में परिणत करने की परिकल्पना है, निसका जन्म वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण हुआ है। वैश्वीकरण वस्तुतः एक ऐसी अवधारणा है जिसमें किसी व्यक्ति, अथवा सेवा का एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र में आवागमन निर्बाध रूप से होता है। अर्थात वैश्वीकरण का मूल आर्थिक प्रक्रिया से है, परन्तु इसके साथ हो किसी एक देश की सभ्यता, संस्कृति व भाषा आदि का भी प्रसार अन्य देशों में अनापास ही हो जाता है। इसकी अवधारणा आर्थिक नहीं वरन् धार्मिक व सामाजिक है। लेकिन यह वर्तमान वैश्वीकरण के लिए मजबूत आर्थिक आधार स्तम्भ भी तैयार करती है।

वैश्विक शहर की विषेताएं– वह शहर जहॉ विभिन्न वहुराष्ट्रीय निगम हो और साथ ही कई प्रकार की अन्तराष्ट्रीय वित्तीय सेवाएं जैसं–वित, वैकिंग, विपणन और बीमा उपलब्ध है। उस शहर के आस–पास के क्षेत्रों के व्यापार और अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व हो वैश्विक शहर की आबादी का एक बड़ा हिस्सा सेवा और सूचना क्षेत्र कार्यरत रहता है। वैश्विक शहरों में मुख्य रूप से लंदन, न्योयार्क, हांग कांग, पेरिस, सिंगापुर, बीजिंग व दुबई इत्यादि आते हैं। ये शहर वैश्विक आर्थिक गति विधियों का केन्द्र है।

भारत की समृद्धि का पथः स्मार्ट सिटी–(A Pathof Growth of India: Smartcity)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतोत्रिक गठबंधन सरकार ने शहरी भारत को रहन–सहन, पिरिवन और अन्य अत्याधुनिक सुविधा से लैसं करने के इरादे से तीन महात्वकांक्षी योजनाओं–स्मार्ट सिटी अटल मिशन फॉर रिजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉमेशन (अमृत) और सभी को आवास योजना का शुभारंभ किया है। इन परियोजनाओं से देशवासियों की उम्मीदों को नयी उड़ाने मिलती नजर आ रही है और संपनों को संजीवनी 1 वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की वर्तमान जनसंख्या 31 प्रतिशत आबादी शहरों में बसती है और इसका सफल घरेलू उत्तपाद मे 63 फीसदी योगदान है। ऐसी उम्मीद है। कि वर्ष 2030 तक भारत की आबादी 40 फीसदी शहरों में रहेगी और सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 75 प्रतिशत का होगा। इसके लिए भौतिक, संस्थागत, सामाजिक और आर्थिक ढांचे के व्यापक विकास की आवश्यकता है। ये सभी जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने एवं लोगों और निवेश को आकर्षित करने, विकास एवं प्रगति के एक बेहतर चक्र की स्थापना करने में महात्वपूर्ण है। स्मार्ट सिटी का विकास इसी दिशा का एक कदम है।

भारत की स्मार्ट सिटी पहल में व्यापारिक अवसरों का दोहन करने के उद्देश्य से अमेरिका में कहा–कि वह सभी प्रस्तावित 100 स्मार्ट शहर परियोजनाओं में भागीदारी करने पर विचार कर रहा है। इसके साथ ही उसे टिकाऊ अर्थव्यवस्था के विकास में तकनीकी समान की पेशकश की है। अमेरिका के वाणिज्य उपमंत्री ब्रूस एड्रस ने नई दिल्ली में कहा किह अमेरिका स्मार्ट शाहर पहल के लिए टिकाऊ समाधान उपलब्ध कराने में भारत का मूल्यावान भागीदारी कर सकता है।

इस प्रकार से देश में 100 स्मार्ट सिटि बनाने की केन्द्र सरकार की महात्वाकांक्षी (महात्वपूर्ण) योजना के पहले चरण के लिए चयनित 20 शहरों के नामों की घोषणा केन्द्र सरकार जनवरी 2016) में की थी। विभिन्न मानकों के आधार पर अंक प्रधान कर चुने गए 20 शहरों में शीर्ष स्थान ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर का है, जबकि पुणें (महाराष्ट्र) व जयपुर (राजस्थान) क्रमशः दूसरे स्थान पर तीसरे स्थान पर है चयनित सूची में स्थान पाने वाले अन्य शहर (रैकिंग के क्रम में) क्रमशः सूरत, कोच्चि, अहमदाबाद, जबलपुर, विशाखपट्टनम, सोलापुर, दावणगोरे, इंदौर, नई दिल्ली नगर निगम क्षेत्र, कोयम्बटूर, काकी नाडा, बेलगाम, उदयपुर गोवाहाटी, चेन्नई, लुधियाना, व भोपाल है स्मार्ट सिटी आधारित संरचना के विकास के लिए केन्द्रीय मदद के रूप में रू0 200–200 करोड़ की राशि इन शहरों के लिए पहले चरण में उपलब्ध कराई जायेगी। कुल मिलाकर रू0 500 करोड की मदद केन्द्र सरकार द्वारा प्ररूपके चयनित शहर के लिए उपलब्ध कराई जायेगी। इतनी ही राशि सम्बन्धित राज्य सारकार द्वारा उपलब्ध कराई जानी अपेक्षित है। इस प्रकार स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किये जाने वाले प्रत्येक चयनित शहर के लिए केन्द्र व राज्य सरकार दोनो की ओर से मिलाकर कुल राशि 1000–1000 करोड हो सकेगी। इसमें 100 स्मार्ट सिटीज के अलावा देश भर में अब तक 476 शहरों की पहाचान अमृत योजना के लिए की गई है। ये सारे शहर कम से कम एक लाख की आबादी वाले होगे। इन शहरों की बुनियादी सुविधा विकसित करने के लिए केन्द्र सरकार की तरफ से मदत मिलेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि व्यापक विकास भौतिक, संस्थागत और तरफ से मदत मिलेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि व्यापक विकास भौतिक, संस्थागत और आर्थिक बुनियादी ढॉचे को एकीकृत करके ही होता है सरकार की कई क्षेत्रीय योजना इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए शामिल होती है, भले ही इनके रास्ते अलग है। शहरी योजनाओं के स्वरूप मे बदलाव करके उन्हे आधुनिक सुविधाओं से लैस शहर परिवर्तित करने में अमृत और स्मार्ट सिटी मिशन एक–दूसरे में पूरक साबित होने वाले है।

इस प्रकार शहरी विकास मंत्री एम0 वैकेया नायडू ने 28 जनवरी, 2016 को स्मार्ट सिटी मिशन में 100 की सूची में 20 शहरो को सूची बृद्धि किया है। इस 20 स्मार्ट सिटी के नाम इस प्रकार है–

सारणी 2

1– भुवनेश्वर (ओडिसा)	11– इंदौर (मध्य प्रदेश)
2– पुणे (महाराष्ट्र)	12– नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन
3– जयपुर (राजस्थान)	13– कोयंबटूर (तमिलनाडु)
4– सूरत (गुजरात)	14– काकीनाडा (आन्ध्र प्रदेश)
5– कोच्चि (केरल)	15– बेलागवी (कर्नाटक)
6– अहमदाबाद (गुजरात)	16– उदयपुर (राजस्थान)
7– जबलपुर (मध्यप्रदेश)	17– गुवाहाटी (असम)
8– विशाखापट्नम (आन्ध्र पदेश)	18– चेन्नई (तमिलनाडु)
9– सोलापुर (महाराष्ट्र)	19– लुधियाना (पंजाब)
10– धवनगिरि (कर्नाटक)	20– भोपाल (मध्य प्रदेश)

सारणी में पहले चरण के लिए चयनित शहरों के नामों की घोषणा करते हुए केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री बैकेया नायडू में कहॉ कि प्रारंभिक रूप से अल्पसूची बद्ध किये गये। 100 शहरों मे से जो शहर अपना स्थान पहले 20 में नहीं बना सके हैं, वह अपनी अगले चरण में प्रतिस्पर्द्धा में बले रहेगे। स्मार्ट सिटी परियोजना के पहले चरण के तहत विकसित किये जाने वाले उपयुक्त 20 शहरों में राष्ट्रीय राजधानी के अतिरिक्त पॉच राज्यों की राजधानियॉ– भुवनेश्वर, जयपुर, गुवाहाटी, चेन्नई व भूपाल शामिल है। कुल मिलाकर 12 राज्यों व केन्द्र शासित क्षेत्रों के शहर इनमें स्थान पा सके है जबकि 24 राज्यों केन्द्र शासित क्षेत्रों का कोई शहर इस सूची में शामिल नहीं है। वो चुने गए 20 शहरों में सर्वाधिक तीन शहर मध्य प्रदेश के 2–2 शहर, महाराष्ट्रय, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडू व आन्ध्र प्रदेश के हैं अबकि आडिशा, केरल, दिल्ली, असम, पंजाब के एक–एक शहर की सूची में स्थान मिला है।

इसमें भारत के प्रधानमंत्री ने तीव्र शहरी करण को चुनौती वताते हुए हुए कहॉ कि स्मार्ट शहर अपने आसपास शहरों को सक्षम, सुरक्षित और सेवाओं की आपूर्ति में बेहतर बनाएगा। यहॉ मैसूर विश्वविद्यालय में 103 वे भारतीय विज्ञान कॉग्रेस में पीएम मोदी ने कहॉ," मानव इतिहास मे पहली बार हम एक शहरी शताब्द्धि में पहुच गये हैं। 2050 तक दो–तिहाई वैश्विक आबादी का शहरी करण हो जायेगा। शहरी आबादी मे होने वाली वृद्धि 90 फीसदी योगदान विकासशील देशों का होगा। जोकि 2025 तक देश की 10 फीसदी आवादी शहरों में रहने लगेगी। और 2050 तक आधी आबादी क्षेत्रों का शहरी करण हो जायेगा। इस प्रकार कुल देश की 40 फीसदी आबादी झुग्गियॉ में रहती है जिन्हें कई स्वास्थ्य और पोषण सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दो–तिहाई से अधिक वैश्विक ऊर्जा रूषत शहरों में होती है और 80 फीसदी से अधिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन की शहरों में होता है। शहर आर्थिक विकास, रोजगार अवसरों तथा समृद्धि के प्रमुख इंजन है, इसलिए उन्हे टिकाउ होना है। सच्चाई यह है कि दुनिया में इस समय जो शहर स्मार्ट बन रहे हैं। वे बहुत छोटे हैं। इन शहरों के बारे में काफी चर्चा हो रही है लेकिन उनके पास ऐसी कोई तकनीक नही है जिसमें वास्तव में लोगों की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। हालांकि अगले पॉच सालों में चीजें स्मार्ट हो जायेगी, तब उन शहर को

डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रेनो और सड़कों की तरह अहम हो जायेगा। सरकार में सामंजस्य बिठाने के लिए गॉवों को भी स्मार्ट बनाने का प्रयास करें। जोकि देश के संतुलित आर्थक विकास और जन कल्याण के लिए बेहद जरूरी है। इसे अगर, गॉवों, गरीबों और किसानों की समृद्धि का बजट कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगा। केन्द्र सरकार की महात्वकांक्षी स्मार्ट सिटी, परियोजना के लिए नामांकित 20 शहरों की सूची में चंडीगढ पहले से ही मौजूद है। इसके नजदीक ही दक्षिण कोरिया एक नया स्मार्ट शहर विकसित करेगा। दक्षिण कोरिया की दूरसंचार कम्पनी कोरिया टेलीकॉम ने पंजाब के मुख्यमंत्री सुखवीर सिंह वादल को नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधि मंडल के समक्ष चंडीगढ़ से सटकर एस नया स्मार्ट शहर न्यू चंडीगढ़ विकसित करने का प्रस्ताव रखा है आई एफ ई जोड का हिसा सोगडो स्मार्ट का व्यौरा देते हुए कोरिया टेलीकाम के अधिकरियों ने बताया कि सोंगडो शहर में लगाए गए 317 कैमरा की मदद से वायु एवं जल पर रखी जाती है।

इसके अलावा यह कैमरा यातायात की निगरानी और लोगो को दुर्घटना और जाम जैसी घटनाओं रियल टाइम सूचनाएं भी प्रदान करते हैं।

निष्कर्ष एवं सुझाव–इस प्रकार से अध्ययन मे आया है कि भारत कृषि प्रदान देश है। इसकी अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है। यहॉ की कुल जनसंख्या का 72.2 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 27.8 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में निवास करती है। इस तरह से देश में 100 स्मार्ट शहर बनाने की केन्द्र सरकार की महत्वांकांक्षी योजना के पहले चरण के लिए कर चुने गये हैं। इस परियोजना के द्वारा स्मार्ट सिटी बनाकर देश को विकसित करना है। सरकार के द्वारा करोडों–अरबो रूपये खर्च करके शहरों को मॉडल शहर बनाकर मानव जीवन की सुख सुविधाओं को होना चाहिए। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की वर्तमान जनसंख्या 31 प्रतिशत आवादी शहरों में वसती है और इसका सकल घेरलू उत्पाद 63 फीसदी योगदान है। उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक भारत की आवादी का 40 फीसदी हिस्सा शहरों में रहेगा और सकल घेरलू उत्पाद में इसका योगदान 75 प्रतिशत का होगा। इसके लिए भौतिक, संस्थागत, सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढाचे के व्यापक विकास की आवश्यकता है।ये सभी जीवन की गुणवत्ता लाने एवं लोगों और निवेश को आकर्षित करने, विकास एवं प्रगति के बेहतर चक्र की स्थापना करने में महात्वपूर्ण है। स्मार्ट सिटी का विकास इसी दशा में एक कदम है।

भारत की समृद्धि पथ में स्मार्ट सिटी प्लान निम्नवत् होना चाहिए–

1. शहरी जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना, स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध करना।
2. बिजली की छबी खराब करती, झुग्गी–झोपड़ियां को हटाना एवं आवास उपलब्ध करना।
3. बिजली –पानी की सप्लाई 24 घण्टे सुचारू रूप, से हो । बिजली कटौती न हो।
4. दिनभर लोगों को ट्रैफिक में न जुझनना पड़े, सार्वजनिक यातायात उपलब्ध हो जो विश्व स्तरीय हो।
5. सड़के, इमारते, शापिंग माल, सिने प्लैक्स सब कुछ योजना वद्ध करीके से बने हो।
6. स्कूल – कालेज, अस्पताल आदि अत्याधुनिक सुविधा से लैस हो।
7. सड़क, कारे और इमारते हर चीज एक –एक नेटवर्क में हो।
8. शहर में कूडादान की व्यवस्था आवादी से वाहर हो और ढका हुआ कूड़ा दान हो जोकि स्मार्ट हो।
9. आवश्यकतानुसार से इमारते अपने आप में बिजली वचत करें, स्वाचलित कारें खुद पार्क ढूडे।
10. प्रदूषण रहित औद्योगिक कारखानों को लगाया जाए, जिससे लोगों का अच्छी तरह जीवन यापन हो।
11. शहरी संसाधनों, स्त्रोतों और बुनियादी संरचनाओं को सक्षम ढग से विकास करना।
12. शहरो में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगे हो जिससे अपराध कम हो, लोग चैन से सो सकें।

सन्दर्भ ग्रंथ

1 दैनिक जागरण, 21 जून 2014।

2 सामयिकीः अमर उजाला समूह प्रकाशन, अप्रैल, 2016 पृ० 9।

3 प्रतियोगिता दर्पण, हिन्दी मासिक पत्रिका, अपैल, 2016 पृ० 3।

4 सिंह, डॉ० वी०एन० एव सिंह, डॉ० जनमेजय, नगरीय–समाजशास्त्र, विवके प्रकाशन, जबाहर नगर, दिल्ली, 2012।

5 राय, उदय, नारायण, प्राचीन भारत में नगर तथा नगर जीवन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1965।

6 गुप्ता, प्रो० एल०एम० शर्मा, भारतीय ग्रामीण नगरीय समाज शास्त्र साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा, 2005।

7 Mukerji R.N. urbanSociology. Correct Publication Lucknow (UP) 1987

8 Agarwal. Dr. Amit, Urban Society in India] Vivek Prakashan, Jawahar Nagar, Delhi, (2010)

9 Singh, Dr. Santosh K Urbani sation, Urbanismand Rural Sociel Change Prakash Sahitrya Sangam, Allahabad, 2006

10 www.wikipiedia.in

11 www.google. com

□□□